हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 8 सितंबर 2025

11 शिक्षक करते है नई पीढ़ी के रूप में राष्ट्र का निर्माण...

12 सैनी सभा चुनावः सुरेश कुमार ने दर्ज की एकतरफा...

हरिभूमि के 30वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं ...

## अटेली विधानसभा क्षेत्र को समृद्ध व खुशहाल बनाने के लिए हमारे इरादे

- अटेली को उपमण्डल तथा दौंगड़ा अहीर को उपतहसील बनाएंगे।
- अटेली विधानसभा क्षेत्र में एम्स (AIIMS) स्तर का अस्पताल और मेडिकल कॉलेज स्थापित करवाएंगे।
- अटेली विधानसभा क्षेत्र में आई.एम.टी. स्थापित करेंगे।
- अटेली विधानसभा क्षेत्र में खेल विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) का रिजनल सेंटर तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बहुउद्देशीय खेल स्टेडियम बनवाएंगे।
- अटेली व कनीना के उपनागरिक अस्पताल तथा गांवों के स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टरों, दवाईयों और जांच मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।
- अटेली में ई.सी.एच.एस. पॉलीक्लीनिक खुलवाएंगे।
- कनीना में अतिरिक्त सेशन कोर्ट की स्थापना करवाएंगे।
- कनीना में लेबर ऑफिस की स्थापना करवाएंगे।
- कनीना और अटेली रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रैस ट्रेनों का ठहराव करवाएंगे।
- अटेली में सी.एस.डी. कैंटीन खोलेंगे।
- नेशनल हाइवे 152डी पर बाघोत-सेहलंग के बीच कट बनवाएंगे।

# नेताजी अतरलाल

## प्रत्याशी, अटेली विधानसभा क्षेत्र

- नेताजी अतरलाल को Follow करें -

9034793749 /th.attarlal /thakur.attarlal @ThakurAttarLal

समुद्र मे गहरा गोता लगाने के लिए मगरमच्छ कभी-कभी भारी पत्थर भी निगल लेता है।

उल्लू अपनी गर्दन घुमाकर पीछे की ओर भी देख सकता है। इसकी नजर मनुष्य से सौ गुना तेज होती है।

# भविष्य कंप्यूटर का, टीचर बनकर चमकाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

कंप्यूटर हमारे समय की मांग है, चाहे वह समय आज का हो या आने वाला कल दोनों में ही कंप्यूटर की बहुत बड़ी जरूरत है। एक अच्छी कंप्यूटर योग्यता हासिल करने के बाद आप स्कूल या कॉलेज में कंप्यूटर टीचर के पद पर नियुक्ति पा सकते हो। और वह कंप्यूटर टीचर की नौकरी प्राइवेट या सरकारी दोनों ही मिल सकती है। अगर आप भी कंप्यूटर टीचर बनने के बारे में सोच रहे हैं तो पहले आपको यह सोचना होगा कि आपको कंप्यूटर योग्यता के लिए किस टाइप की डिग्री प्राप्त करनी है। यह सब आपको 10वीं करने के तुरंत बाद ही तय करना पड़ेगा ताकि आप सही समय पर सही फैंसला ले सकें।

## बहुत ज्यादा नौकरियां

विभिन सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों पर कंप्यूटर के कार्यों पर नौकरी निकलती रहती है अगर आपके पास उच्च कंप्यूटर योगयता है तो आप इन पर समय समय पर अप्लाई कर सकते है। उनकी शर्तों को पूरा करते हुए आप इन पदों पर सलेक्ट भी होते हैं। अगर आपके पास कोई कंप्यूटर संबंधित कोर्स किया हुआ है तो आपकी सिलेक्शन के चांस बढ़ जाते हैं। इस लेख में आगे हम आप को कुछ कंप्यूटर कोर्सेज की लिस्ट देंगे और यह भी बताएंगे के कंप्यूटर कोर्स कैसे करें। आज का दौर ऑनलाइन का है और आज कल बहुत से कक्षाओं में ऑनलाइन पढाई होती है और वह ऑनलाइन क्लासेज का पूरा मैनेजमेंट कंप्यूटर टीचर के हाथ में ही होता है। स्कूल में कंप्यूटर टीचर की जरुरत तो हर हालत में होती ही है और उच्च शैक्षिक योगयता हासिल करके आप इन पदों के लिए सक्षम हो सकते हैं। आप कंप्यूटर टीचर से संबंधित कुछ कोर्स करने के बाद कंप्यूटर टीचर के पदों पर अप्लाई कर सकते हैं। कंप्यूटर टीचर कैसे बने इस टर्म को समझने के लिए आप को कंप्यूटर टीचर से जुडी सभी बातों को जानना आवश्यक होता है।

## ये योग्यताएं जरूरी

किसी भी स्कूल या संस्थान में विषय-विशेष की फैकल्टी भर्ती करने के लिए विशेष मानक होते हैं। यदि कोई व्यक्ति कम्प्यूटर टीचर बनना चाहता है तो उसके पास आवश्यक शैक्षणिक योग्यताएं होना जरूरी है। जो इस प्रकार हो सकती हैं।

- स्कूल स्तर में कम्प्यूटर टीचर हेतु क्रमशः बीसीए अथवा पीजीडीसीए डिग्री होनी चाहिए या किसी प्रसिद्ध कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट से कम्प्यूटर शिक्षा में डिप्लोमा हो।

- कॉलेज में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर सबजेक्ट पढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए आपके पास एमएससी डिग्री होना जरूरी है।
- सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर जिस भी विषय में आप विशेषज्ञ है, उस विषय का फंडामेंटल नॉलेज होना जरूरी है।
- बतौर कम्प्यूटर टीचर आपके पास प्रोग्रामिंग कौशल है तो सोने पे सुहागा साबित होगा।
- विद्यार्थियों तक अपने विचार, जानकारी पहुंचाने का सहज और आकर्षण गुण आपके पास होना चाहिए।
- अपने विषय पर कमांड और उस क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से भी अपडेट होना आवश्यक है।

## इस तरह बन सकते हैं कंप्यूटर टीचर

- कम्प्यूटर विषय से ग्रेजुएशन करने के बाद देश के प्रसिद्ध कॉलेज में पढ़ाने के लिए आपको एग्जाम देने होते हैं। जिसके बाद ही आप कम्प्यूटर टीचर बन पाते हैं। निम्नलिखित क्राइटेरिया को पूरा करके आप कम्प्यूटर टीचर बन सकते हैं।
- अगर, आप किसी कॉलेज में लेक्चरर बनना चाहते हैं तो आपको नेट एग्जाम क्लियर करना पड़ेगा।
- दूसरी ओर किसी स्कूल में कम्प्यूटर टीचिंग करना चाहते हैं तो टीचर इलीजिबिलिटी टेस्ट या फिर कई सारे विद्यालयों द्वारा टीचर्स की भर्ती के लिए बनाए गए मापदंड़ों को पूरा करना पड़ सकता है।
- अगर, आप एक सरकारी कम्प्यूटर टीचर बनना चाहते हैं और किसी गवर्नमेंट कॉलेज में पढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए पहले आपको यूजीसी अथवा सीएसआईआर-नेट क्वालीफाइड सर्टिफिकेट की परिक्षा उतीर्ण करनी पड़ती हैं।

## आने वाला भविष्य कंप्यूटर आधारित, इसका नॉलेज आपको रखेगा आगे

अगर, अभी भी आपके मन में शंका है कि आगे आने वाले समय में कम्प्यूटर का भविष्य क्या होगा। तो बता दें पिछले एक दशक से लगातार भारत देश में कम्प्यूटर शिक्षकों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। क्योंकि, कम्प्यूटर की उपयोगिता और वर्तमान समय में इसके लाभ को देखते हुए बचपन से ही छात्रों को कम्प्यूटर सीखने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। यदि आपको इस फील्ड में अच्छा नॉलेज और अनुभव है तो आप इसमें एक शानदार करियर देख सकते हैं. और कम्प्यूटर टीचर बनने की तैयारी अभी से शुरु कर सकते हैं। हम डिजिटल दुनिया में जी रहे हैं जहां सारी दुनिया एक-दूसरे से कनेक्टेड है। आज गांव के कोने में बैठा एक व्यक्ति की वीडियो देश-विदेशों में देखी जा रही है। अगर, आपके पास भी कम्प्यूटर टीचिंग का ज्ञान है जिससे आप दूसरों की सहायता कर सकें तो पैसे कमाने में ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। यूट्यूब जैसे अनेक ऐसे प्लैटफॉर्म है, जहां पर आप अपने टीचिंग का हुनर दिखाकर स्कूल या कॉलेज टीचर की भांति ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप बतौर कम्प्यूटर टीचर डेटा विश्लेषक का कार्य भी कर सकते हैं। डेटा एनालिटिस्ट वह व्यक्ति होता है जो डेटा को रॉ फॉर्म में प्राप्त कर उसे प्रोसेस कर समझने योग्य सूचना बनाता है।

---

12वीं पास करने के बाद बीए तीन साल की एक स्नातक डिग्री

# बीए के बाद करियर : सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में मिलते हैं बेहतरीन अवसर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

सामाजिक विज्ञान व भाषाओं की देती है गहरी समझ

अगर आपने सिर्फ बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) किया है तो घबराएं नहीं। बीए करने के बाद भी आप अपने करियर को बेहरीन उड़ान दे सकते हैं। बीए तीन वर्षों की एक स्नातक डिग्री है, जो छात्रों को ह्यूमनिटीज, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं की गहरी समझ प्रदान करती है। इस कोर्स में विभिन्न विषयों का अध्ययन कराया जाता है जैसे हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र और जनसंचार। वहीं बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम किसी एक विषय में गहन और विशेषज्ञ अध्ययन प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, छात्र अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल, दर्शनशास्त्र या जनसंचार जैसे विषयों में ऑनर्स करके उस क्षेत्र में गहरी जानकारी और शोध क्षमता प्राप्त करते हैं। इन स्पेशलाइज़ेशन के आधार पर विद्यार्थी आगे चलकर कंटेंट राइटिंग, रिसर्च, शिक्षण, काउंसलिंग, प्रशासनिक सेवाओं, मीडिया, सामाजिक कार्य और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में अलग-अलग करियर मार्ग चुन सकते हैं।

**इस कोर्स में कई विषयों का अध्ययन करने में सक्षम होकर बनते हैं काबिल**

### इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका : एक आवश्यक पूरक

बीए की शैक्षणिक पृष्ठभूमि छात्रों को विचार करने, अभिव्यक्ति और विश्लेषण क्षमता प्रदान करती है। लेकिन वर्तमान समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। कंपनियां उन उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं जो अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक स्किल्स से भी लैस हों। चाहे पत्रकारिता हो, कंटेंट राइटिंग, प्रशासनिक सेवाएं या कॉर्पोरेट सेक्टर-हर जगह दक्षता की मांग है।

### इंडस्ट्री के लिए आवश्यक कौशल

- प्रभावशाली लेखन और संवाद कौशल
- डिजिटल दक्षताः एमएस ऑफिस, कंटेंट मैनेजमेंट टूल्स
- डेटा रिसर्च और रिपोर्ट लेखन
- सार्वजनिक बोलने और प्रस्तुति कौशल
- आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता
- पब्लिक रिलेशन एवं मीडिया हैंडलिंग स्किल्स

### सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

सरकारी क्षेत्र बीए डिग्रीधारकों के लिए आकर्षक और स्थिर अवसर प्रदान करता है। बैंकिंग, बीमा, रेलवे, डाक विभाग, रक्षा सेवाएं, राज्य लोक सेवा आयोग और संघ लोक सेवा आयोग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में भर्तियां होती हैं। शुरुआती वेतनमान 30,000 से 45,000 मासिक तक हो सकता है, जबकि अनुभव और उच्च पद पर यह 80,000 से 1,20,000 तक पहुंच जाता है।

**स्पेशलाइज़ेशन आधारित संभावित प्रोफाइल्स**
- इतिहास/राजनीति विज्ञान/समाजशास्त्र
- सिविल सेवाओं में उच्च सफलता दर
- ग्राम विकास अधिकारी
- पंचायत सचिव
- लोकसभा/राज्यसभा रिसर्च फेलो

**अर्थशास्त्र**
- आर बी आई असिस्टेंट
- सांख्यिकी विभाग में सहायक
- इस इस सी में इकोनॉमिक इन्वेस्टिगेटर

**मनोविज्ञान**
- रक्षा सेवाओं में मनोवैज्ञानिक अधिकारी
- सामाजिक न्याय विभाग में काउंसलर
- पुलिस विभाग में रिक्रूटमेंट/ट्रेनिंग काउंसलर

**भूगोल**
- सर्वे ऑफ इंडिया में अधिकारी पद
- पर्यावरण एवं जलवायु विभाग में अनुसंधान सहायक
- आपदा प्रबंधन विभाग में सहायक पद

**जनसंचार**
- सरकारी सूचना सेवा
- प्रसार भारती में रिपोर्टर/प्रोड्यूसर
- राज्य सूचना विभाग में पब्लिक रिलेशन अफसर

**रक्षा सेवाएं**
- लेफ्टिनेंट
- आर्मी एजुकेशन कोर अफसर
- अकाउंट अफसर
- एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर
- लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर
- टेरीटोरियल आर्मी अफसर

**उच्च अध्ययन के विकल्प**
- पाठ्यक्रम विवरण
- एम.ए. (स्पेशलाइज़ेशन अनुसार) उच्च शिक्षा व शोध हेतु आवश्यक
- एम.बी.ए. प्रबंधन और कॉर्पोरेट नेतृत्व भूमिकाओं हेतु
- बी.एड. शिक्षक बनने के लिए अनिवार्य
- एल.एल.बी. वकालत, कॉर्पोरेट लॉ, सिविल सेवाओं में सहायक
- मास कम्युनिकेशन/जर्नलिज़्म मीडिया, एंकरिंग, रिपोर्टिंग व पीआर में करियर
- समाजकार्य में मास्टर्स (एमएसडब्ल्यू) एनजीओ, पब्लिक हेल्थ व सामाजिक सेवा क्षेत्र हेतु
- मनोविज्ञान में पीजी/डिप्लोमा काउंसलिंग व क्लिनिकल मनोविज्ञान क्षेत्र हेतु

### निजी क्षेत्र में करियर विकल्प

बीए डिग्रीधारकों के लिए निजी क्षेत्र में विविध क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध हैं। मीडिया, शिक्षा, पब्लिक रिलेशन, कंटेंट राइटिंग, मानव संसाधन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, काउंसलिंग, एडटेक और टूरिज़्म जैसे क्षेत्रों में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं। शुरुआती वेतनमान 15,000 से 25,000 मासिक हो सकता है, वहीं अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 40,000 से 70,000 तक पहुंच सकता है। निम्न लिखित निजी क्षेत्रों में आप अपना करियर बना सकते हैं।

**मीडिया एवं जनसंचार**
- रिपोर्टर/जर्नलिस्ट
- न्यूज़ एडिटर
- पब्लिक रिलेशन एग्जीक्यूटिव

**कंटेंट एवं डिजिटल सेक्टर**
- कंटेंट राइटर
- कॉपी एडिटर
- सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर
- एसईओ एग्जीक्यूटिव

**शिक्षा एवं प्रशिक्षण**
- टीचिंग असिस्टेंट
- ऑनलाइन ट्यूटर
- एजुकेशन काउंसलर

**कॉरपोरेट एवं मानव संसाधन**
- एचआर असिस्टेंट
- ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर
- एडमिन एग्जीक्यूटिव

**पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र**
- टूर गाइड
- ट्रैवल कंसल्टेंट
- हॉस्पिटैलिटी एग्जीक्यूटिव

**स्पेशलाइज़ेशन आधारित संभावित प्रोफाइल्स**
- अंग्रेजी/हिंदी साहित्य
- कंटेंट राइटर
- कॉपी एडिटर
- ट्रांसलेटर
- प्रकाशन सहायक

**इतिहास/राजनीति विज्ञान/समाजशास्त्र**
- रिसर्च असिस्टेंट
- पब्लिक पॉलिसी एनालिस्ट
- सोशल मीडिया कैम्पेनर
- एनजीओ कोऑर्डिनेटर

**अर्थशास्त्र**
- रिसर्च एनालिस्ट
- डेटा एंट्री एवं एम आई इस एग्जीक्यूटिव
- मार्केट सर्वे एग्जीक्यूटिव
- फाइनेंशियल कंसल्टिंग असिस्टेंट

**मनोविज्ञान**
- काउंसलर (स्कूल/कॉलेज)
- एचआर ट्रेनिंग असिस्टेंट
- बिहेवियरल एनालिस्ट
- करियर काउंसलर

**भूगोल**
- जी आई इस असिस्टेंट
- टूर एवं ट्रैवल कंसल्टेंट
- सर्वे रिसर्चर

**दर्शनशास्त्र**
- एथिक्स ट्रेनर
- शिक्षा व वैचारिक शोध सहायक

**जनसंचार**
- रिपोर्टर/जर्नलिस्ट
- पीआर एग्जीक्यूटिव
- डिजिटल मीडिया कोऑर्डिनेटर

### स्किल्स विकसित करें छात्र

बीए केवल एक स्नातक डिग्री नहीं, बल्कि यह छात्रों को विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता और करियर विकल्पों का विस्तृत मार्ग प्रदान करती है। यदि छात्र अपनी स्पेशलाइज़ेशन के अनुरूप स्किल्स विकसित करें और प्रतियोगी परीक्षाओं या उच्च अध्ययन के लिए प्रयास करें, तो वे निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट भविष्य बना सकते हैं। अपने करियर का चुनाव करने से पहले किसी भी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

---

# सपनों को हकीकत में बदलें : भारत की चुनौतियों में सकारात्मक बदलाव की राह

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

भारत, एक ऐसा देश जो विविधता, संस्कृति और अवसरों का संगम है, लेकिन इसके साथ ही कई चुनौतियाँ भी हैं। बढ़ती जनसंख्या, आर्थिक असमानता, शिक्षा तक सीमित पहुंच, और सामाजिक दबाव जैसे हालात कभी-कभी हमारे सपनों को धूमिल कर सकते हैं। लेकिन, प्रिय छात्रों, ये चुनौतियाँ आपके सपनों को रोकने की ताकत नहीं रखतीं। आपमें वह शक्ति है जो इन कठिनाइयों को अवसरों में बदल सकती है। सपने वो बीज हैं, जो आपके मन में बोए जाते हैं। लेकिन उन्हें पनपने के लिए सही दिशा और मेहनत की जरूरत होती है। सबसे पहले अपने सपनों को स्पष्ट करें। आप क्या बनना चाहते हैं? क्या हासिल करना चाहते हैं? चाहे वह डॉक्टर, इंजीनियर, कलाकार, उद्यमी, या कुछ और बनने का सपना हो, उसे कागज पर लिखें।

### चुनौतियों को हार का बहाना न बनने दें

भारत में कई बार सामाजिक या आर्थिक दबाव हमें अपने सपनों से भटका देते हैं। लेकिन याद रखें, आपका सपना आपकी ताकत है। उदाहरण के लिए, अगर आप एक छोटे शहर या गाँव से हैं, जहां संसाधनों की कमी है, तो यह आपके लिए रुकावट नहीं, बल्कि एक प्रेरणा होनी चाहिए कि आप उन सीमाओं को तोड़ सकते हैं।

**चुनौतियों को अवसरों में बदलें :** भारत में कई छात्र आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, या परिवार के दबाव का सामना करते हैं। लेकिन इन चुनौतियों को हार का बहाना न बनने दें। हर मुश्किल एक सबक है। उदाहरण के लिए।

**आर्थिक तंगी:** अगर आपके पास कोचिंग या महंगे संसाधनों के लिए पैसे नहीं हैं, तो इंटरनेट का उपयोग करें। आज यूट्यूब, खान एकेडमी, और कई मुफ्त ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं, जो आपको मुफ्त में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दे सकते हैं।

**सामाजिक दबाव:** अगर आपके परिवार या समाज को आपके सपनों पर भरोसा नहीं है, तो धैर्य और संवाद से उन्हें समझाएँ। अपनी मेहनत और छोटी-छोटी उपलब्धियों से उनके विश्वास को जीतें।

**प्रतिस्पर्धा:** भारत में प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है, लेकिन यह आपको और मजबूत बनाती है। अपनी तुलना दूसरों से न करें; अपने लक्ष्य पर ध्यान दें और हर दिन बेहतर बनने की कोशिश करें।

**सकारात्मक सोच:** आपकी सबसे बड़ी ताकत सकारात्मक सोच वह जादू है, जो असंभव को संभव बनाती है। भारत जैसे देश में, जहाँ हर दिन नई चुनौतियाँ सामने आती हैं, सकारात्मक दृष्टिकोण आपको आगे बढ़ने की हिम्मत देता है। अपने मन से नकारात्मक विचारों को हटाएँ। अगर आप सोचते हैं कि "मैं यह नहीं कर सकता", तो उसे बदलकर कहें, "मैं कोशिश करूँगा और सीखूँगा।" प्रेरणा लें उन लोगों से, जिन्होंने भारत में कठिन परिस्थितियों में अपने सपनों को हासिल किया। जैसे कि:

**डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम:** एक साधारण परिवार से निकलकर भारत के मिसाइल मैन और राष्ट्रपति बने। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

**धीरूभाई अंबानी:** एक छोटे से गाँव से शुरूआत कर उन्होंने रिलायंस जैसी विशाल कंपनी बनाई। उनकी कहानी हमें बताती है कि सपने देखने की कोई सीमा नहीं होती।

### छोटे कदम, बड़े परिणाम

सपनों को हासिल करने के लिए बड़े-बड़े कदमों की जरूरत नहीं होती। छोटे-छोटे कदम भी आपको मंजिल तक ले जा सकते हैं। अपने लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटें। उदाहरण के लिए, अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो हर दिन कुछ घंटे पढ़ाई के लिए निकालें। एक समय में एक विषय पर ध्यान दें। अपनी प्रगति को ट्रैक करें और हर छोटी उपलब्धि पर खुद को प्रोत्साहित करें।

**शिक्षा और कौशल:** आपके सपनों की नींव: भारत में शिक्षा और कौशल विकास आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। अगर आपके पास संसाधन सीमित हैं, तो सरकारी योजनाओं और स्कॉलरशिप का लाभ उठाएँ। साथ ही, आज के डिजिटल युग में तकनीकी कौशल सीखना बहुत जरूरी है। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस जैसे कौशल न केवल आपको नौकरी दिला सकते हैं, बल्कि आपके सपनों को नई उड़ान भी दे सकते हैं।

**समुदाय और सहयोग:** एक साथ मिलकर आगे बढ़ें: अकेले चलना मुश्किल हो सकता है। अपने आसपास के दोस्तों, शिक्षकों, या मेंटर्स का सहारा लें। एक-दूसरे के साथ ज्ञान और प्रेरणा साझा करें। भारत में कई गैर-लाभकारी संगठन और समुदाय हैं, जो छात्रों को मुफ्त में मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करते हैं। इनका लाभ उठाएँ और अपने सपनों को और मजबूत करें।

### सामान्य ज्ञान

1. हिंदी किस भाषा परिवार की भाषा है
(ए) भारोपीय (बी) द्रविड़
(सी) ऑस्ट्रिक (डी) चीनी-तिब्बती
2. भारत में सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा कौन सी है
(ए) हिंदी (बी) संस्कृत
(सी) तमिल (डी) उर्दू
3. हिंदी भाषा का जन्म हुआ है
(ए)अपभ्रंश (बी) लौकिक संस्कृत
(सी)पालि-प्राकृत (डी) वैदिक संस्कृत
4. निम्न में से कौन सी बोली अथवा भाषा हिंदी के अंतगर्त नहीं आती है
(ए) कन्नौजी (बी) बांगरू
(सी) अवधी (डी) तेलुगु
5. हिंदी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है
(ए) राजभाषा (बी) तकनीकी भाषा
(सी) राष्ट्रभाषा (डी) काव्यभाषा
6. भारतवर्ष में हिंदी को आप किस वर्ग में रखेंगे
(ए) राजभाषा
(बी) राष्ट्र भाषा
(सी) विभाषा
(डी) तकनीकी भाषा
7. ढूढाली बोली है
(ए) पश्चिमी राजस्थान की
(बी) पूर्वी राजस्थान की
(सी) दक्षिणी राजस्थान की
(डी) उतरी राजस्थान की
8. ब्रजबुली नाम से जानी जाती है
(ए) पंजाबी
(बी) मराठी
(सी) गुजराती
(डी) पुरानी बांग्ला
9. निम्न में से कौन सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है
(ए) गुजराती
(बी) उड़िया
(सी) मराठी
(डी) सिन्धी
10. एक मनई के दुई बेटवे रहिन। ओह माँ लहरा अपने बाप से कहिस - दादा धन मां जवन हमर बखरा लागत होय तवन हमका दै द। यह अवतरण हिंदी किस बोली में है
(ए) भोजपुरी
(बी) कन्नौजी
(सी) अवधी
(डी) खड़ी बोली

उत्तर 1.(ए) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(डी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी) 9.(सी) 10.(सी)

## खबर संक्षेप

नारनौल। गोशालाओं को चेक वितरित करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

### विधायक ने गोशालाओं को दिए अनुदान के चेक

**नारनौल।** विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने शनिवार को क्षेत्र की विभिन्न गोशालाओं को सरकार की ओर से स्वीकृत अनुदान राशि के चेक वितरित किए। इस मौके पर गोसेवा आयोग के अध्यक्ष सरवन कुमार व पूर्व उपाध्यक्ष पूर्णसिंह यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने बाबा खेतानाथ गोशाला खेड़की को 1987200 रुपये, उपचार गोशाला को 281700 रुपये, अनाथ गोशाला निजामपुर को 752850 रुपये व गोपाल गोशाला को 3118140 रुपये के चेक सौंपे।

### मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी बढ़ाने की मांग

**नारनौल।** बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने राज्य सरकार पर मनरेगा मजदूरों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए सरकार से मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी बढ़ाने की मांग की है। अतरलाल ने कहा कि उन्हें विभिन्न गांवों के मजदूरों से शिकायत मिली है कि वे मनरेगा के तहत पंजीकृत हैं, लेकिन उन्हें काम नहीं मिल रहा है। इससे मनरेगा मजदूरों की हालत दयनीय होती जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों के दौरान राज्य में 1250541 परिवारों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में पंजीकृत होकर काम की मांग की, लेकिन उनमें से लगभग 135000 मजदूर परिवारों को ही 100 दिन का काम मिल सका, जबकि 11000 परिवार मनरेगा के काम से वंचित रहे।

## प्राथमिक स्कूलों की हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित

# अच्छी लिखावट अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में प्राथमिक स्कूलों के विद्यार्थियों की हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन सैनी स्कूल में किया गया। संघ के सचिव रामअवतार सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने अपनी सुंदर व सटीक लिखावट के माध्यम से हिन्दी भाषा की सौंदर्यपूर्ण अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमचंद सैनी व अध्यक्ष प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट डॉ. संजय शर्मा थे। उन्होंने विद्यार्थियों को सुलेख के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि अच्छी लिखावट केवल सौंदर्य ही नहीं, बल्कि अनुशासन व एकाग्रता का प्रतीक भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भीमसेन शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. चंद्र मोहन व अभय सिंह यादव थे। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा के प्रति प्रेम व लिखावट के प्रति सजगता को विकसित करना है। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता बच्चे को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

इस मौके पर कोषाध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल, हुकुम चंद सैनी, यादराम सैनी, प्रेमलता सैनी, बिशन सैनी प्रधान, रोहतास सैनी उपप्रधान, कैलाश सैनी, बलबीर प्रधान सैनी सभा नांगल चौधरी, प्रेमचंद सैनी, वीनू शर्मा, राजेंद्र आदि मौजूद थे।

### प्रतियोगिता का परिणाम

निर्णायक मंडल सदस्य डॉ. संजय शर्मा व अभय सिंह यादव ने बताया कि कक्षा प्रथम की प्रतियोगिता में एएसडी स्कूल की भव्या पहले, मनुज मालती विद्यालय की देवासी दूसरे, एमपी हाई स्कूल की प्रिया तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार दूसरी कक्षा की प्रतियोगिता में सैनी स्कूल की मेघा प्रथम, गुरु द्रोणाचार्य की ध्रुविका द्वितीय, रोज विला स्कूल का सुमित तृतीय स्थान पर रहा। कक्षा तीन की प्रतियोगिता में सरस्वती बाल मंदिर की अवनी ने पहला, आदर्श बाल मंदिर की कुमकुम ने दूसरा, आदर्श विद्या मंदिर की पलक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा चार की प्रतियोगिता में हरियाणा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छवि ने प्रथम, आदर्श विद्या मंदिर की निशा ने द्वितीय, गांधी हाई स्कूल की डिंपल तृतीय स्थान पर रही। कक्षा पांचवीं की प्रतियोगिता में महात्मा ज्योतिबा फुले विद्यालय की मानवी ने पहला, सप्रिंगफील्ड पब्लिक स्कूल की लोकिता ने दूसरा, गांधी हाई स्कूल की हर्षिता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी बच्चों को स्मृति चिह्न व पारितोषिक वितरित किए गए।

## एचपीएस व प्रगतिशील ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हुआ शिक्षक सम्मान समारोह

# शिक्षक करते हैं नई पीढ़ी के रूप में राष्ट्र का निर्माण: पुष्करमल वर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शिक्षक दिवस के अवसर पर देर शाम हरियाणा पब्लिक स्कूल व प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व डीईओ पुष्करमल वर्मा व पूर्व डीईओ सुभाष सामरिया थे। मौसम वैज्ञानिक चंद्र मोहन विशिष्ट अतिथि रहे।

पुष्करमाल वर्मा ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि एक शिक्षक का कार्य बड़ा महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि शिक्षक ही नई पीढ़ी के रूप में राष्ट्र का निर्माण करते हैं। पूर्व डीईओ सुभाष सामरिया ने कहा कि श्रेष्ठ शिक्षकों को सम्मानित करना एक सौभाग्यशाली कार्य है, क्योंकि शिक्षक समाज का वह बुद्धिजीवी वर्ग है, जो अपनी शिक्षा से देश के भविष्य व विकास में अमूल्य योगदान देता है।

कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि व संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा व प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन छात्रा लावण्या व खुशबू ने किया। विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व आरंभ है प्रचंड है पर नृत्य प्रस्तुत किया। छात्रा रिद्धि ने अपने भाषण से शिक्षक की महिमा व उनके समाज में योगदान पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने ट्रस्ट के कार्यों का उल्लेख किया और कहा कि शिक्षक किताबी ज्ञान के साथ कंप्यूटर, संगीत, खेलों सहित सह शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास करते हैं।

इस दौरान शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को मुख्य अतिथि ने मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रगतिशील ट्रस्ट से डॉ. जितेंद्र भारद्वाज व स्कूल से प्राचार्य सुनील यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नारनौल। शिक्षक दिवस पर सम्मानित होने वाले टीचर्स। फोटो: हरिभूमि

### ये हुए सम्मानित

विद्यालय प्राचार्य सुनील कुमार व ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि शिक्षक महेश सैनी सरस्वती स्कूल, प्रीति देवी सर्वोदय स्कूल, आकांक्षा भूषण आदर्श स्कूल, भारत भूषण शर्मा स्प्रिंग फील्ड, शिवम गोयल मनुज मालती, हुकुमचंद सैनी सैनी स्कूल, बाबूलाल, विष्णु शर्मा, सुरेश कुमार, राजेश कुमार, हनी गुप्ता स्लम एरिया टेलेंट, विजय शर्मा, रमनजीत, पूनम चौहान, अनिल, अनिल जांगिड़, शमशेर, राजपाल, भारत भूषण तायल, दयानंद वर्मा, विजय सैनी, दयाराम, निलिमा, राकेश शर्मा, मुकेश, सतीश, त्रिभुवन वर्मा, सरोज कश्यप, नवरत्न वर्मा, पूर्व प्राचार्य बृजमोहन वर्मा को सम्मानित किया गया।

### अध्यापन पेशा नहीं, एक मिशन

विद्यालय के प्राचार्य सुनील यादव व डीन मनोज भारद्वाज ने बताया कि यह दिन शिक्षकों के निःस्वार्थ समर्पण व ज्ञान को धन्यवाद अर्पण करने का है। अध्यापन पेशा नहीं, एक मिशन है। समाज मे शिक्षक ही हैं जो कठिन परिश्रम कर नई पीढ़ी को सही दिशा दे रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के एमडी डॉ. हितेश वर्मा ने ट्रस्ट के प्रकल्प शिक्षा की सवामणी के अंतर्गत स्टेशनरी एचपीएस स्कूल की तरफ से देने की घोषणा की। इस मौके प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट से राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित प्राध्यापक डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, निजी विद्यालय संघ के प्रधान भीमसेन शर्मा, प्रवक्ता नरोत्तम सोनी, दलजीत गौतम शास्त्री, दिनेश शर्मा प्राचार्य, राकेश शर्मा, ओशिन शुक्ला आदि मौजूद थे।

नारनौल। बैठक में भाग लेने आए बच्चे व अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

## दा वेदांता इंटर नेशनल स्कूल में अध्यापक अभिभावक बैठक आयोजित

**नारनौल।** दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में अध्यापक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों ने अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार व गतिविधियों के संबंध में शिक्षकों से चर्चा की। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की पढ़ाई, अनुशासन, गृहकार्य व सहपाठ्य गतिविधियों पर अभिभावकों को विस्तृत जानकारी दी। वहीं अभिभावकों ने भी विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण व बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए अपने सुझाव सांझा किए। विद्यालय के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने कहा कि अभिभावकों व शिक्षकों का यह संवाद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार की बैठक से न केवल छात्रों की कमजोरियों पर ध्यान दिया जा सकता है, बल्कि उनकी विशेष प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन मिलता है। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और विद्यालय प्रबंधन की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते टीचर्स। फोटो: हरिभूमि

## गुरु की छाया में पलकर ही विद्यार्थी संस्कार और ज्ञान से समृद्ध होते हैं: प्राचार्य

**महेंद्रगढ़।** सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय का प्रांगण में रविवार को श्रद्धा और सम्मान की सुगंध से महक उठा। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में जब विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों को नमन करते हुए उन्हें सच्चे अर्थों में जीवन-दृष्टा और पथ प्रदर्शक बताया। सुबह की पहली किरणों के साथ विद्यालय का वातावरण उल्लास से भर गया। बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में गीत, कविता, भाषण और नृत्य की ऐसी प्रस्तुतिया दीं कि हर किसी की आँखें गर्व और प्रसन्नता से चमक उठीं। विशेष आकर्षण रहा 'गुरु वंदना' पर प्रस्तुत समूह नृत्य, जिसे देखकर लगा मानो सरस्वती स्वयं समागार में विराजमान हो गई हों। प्राचार्य रामवीर यादव ने कहा कि शिक्षक समाज का वह दीपक है, जो स्वयं जलकर दूसरों का मार्ग आलोकित करता है। गुरु की छाया में पलकर ही विद्यार्थी संस्कार और ज्ञान से समृद्ध होते हैं। वहीं विद्यालय के चेयरमैन श्री रूपराम यादव ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक के अध्याय नहीं पढ़ाते, बल्कि जीवन के मूल्य और संघर्ष की शक्ति भी सिखाते हैं।

नारनौल। केक काटकर शिक्षक दिवस मनाते हुए। फोटो: हरिभूमि

## सेवा पखवाड़ा भाजपा की नीतियों का दर्पण, कार्यशाला में बनी रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला भाजपा पदाधिकारियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव ने की। जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर केंद्र और राज्य सरकार की जनहित योजनाओं की जानकारी देंगे और अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने का प्रयास करेंगे।

प्रदेश सह प्रमुख व प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता डांगी ने बताया कि 17 सितंबर को रक्तदान शिविर, 21 सितंबर को युवा मैराथन का आयोजन किया जाएगा व स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए जाएंगे। इस मौके पर जिला प्रभारी व भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य शंकर धूपड़, प्रदेश प्रवक्ता व सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक राकेश शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष भारती सैनी, जिला सहसंयोजक अनिल यादव, हंसराज सिराधना, कमलेश यादव, नरेश सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, अजीत कलवाड़ी, जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव, पूर्णचंद गोठडी, डॉ. राकेश, जोगेंद्र राजपूत, शिवरतन, जिला महामंत्री किशन बोहरा, योगेश शास्त्री, मनीष संघी, अर्चना ठाकुर, नीलम कुमारी, विकास अग्रवाल, आनंद मेहता, भवानी शंकर शर्मा, संजय अमन, जेपी सैनी, मंजीत यादव, कर्मवीर खींची, ओमप्रकाश वाधवा, महेंद्र गौड़, विष्णु तंवर, मुन्ना शेखावत, सुरेश चंद शर्मा, रमेश जांगिड़, दीपेश सैनी, छोटू पहलवान, जोगिंद्र जैदिया, विजय सिंह प्रजापति, कमल वशिष्ठ, रमेश सैनी, जयप्रकाश संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

नारनौल। कार्यशाला में भाग लेते भाजपा पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

## आधारशिला विद्यापीठ ने शिक्षक दिवस पर काटा केक

**नारनौल।** आधारशिला विद्यापीठ हुडीना में विद्यार्थियों ने महान शिक्षक एवं पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन की याद में अध्यापक दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया। इसका आयोजन स्कूल के छठी कक्षा से लेकर दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने किया और साथ में अध्यापकों को विश्राम देते हुए विद्यार्थियों ने स्वयं अध्यापक बनकर पूरे स्कूल की शैक्षिक दिनचर्या का कार्यभार उठाया। सचिन यादव, दृष्टि भटनागर, खुशी यादव, आकृति, मयंक, जिज्ञांश, सृष्टि भटनागर, केशव, हरजस, विनय, इशिका, चारू, वंशिका, चेतना, विशाल आदि ने अध्यापक बनकर विभिन्न कक्षाओं में विद्यार्थियों को पढ़ाया। अध्यापकों ने कक्षाओं में बैठकर अध्यापक बने बच्चों का मार्गदर्शन भी किया। उसके पश्चात स्कूली बच्चों ने अध्यापकों के लिए कुछ मनोरंजक कार्यक्रम किया, जिसमें अध्यापकों ने बच्चों का साथ देते हुए उसे कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। सभी विद्यार्थियों ने अपनी जेब खर्ची से पैसे एकत्र करके अध्यापकों के लिए छोटी जलपान पार्टी का आयोजन भी किया और अध्यापकों को सम्मानित करते हुए उपहार दिए। इस मौके पर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित भूतपूर्व ज्योति भटनागर ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए सफल आयोजन के लिए बधाई दी और धन्यवाद प्रकट किया।

## फसलों का 50 हजार प्रति एकड़ मुआवजा देकर भरपाई करें सरकार: राव नरेंद्र सिंह

**नारनौल।** पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि न केवल दक्षिणी हरियाणा में बल्कि पूरे प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते फसल के साथ अन्य आर्थिक नुकसान भी लोगों को उठाना पड़ रहा है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि गांव, खेत व शहर सब जलमग्न हो गए हैं, तमाम लोग सरकारी मदद की गुहार लगा रहे हैं, इसलिए सरकार को जल्द से जल्द विशेष गिरदवारी प्रक्रिया शुरू करके 50 हजार मुवावजा प्रति एकड़ देना चाहिए, क्योंकि इस बार न केवल की फसलें खराब हुई हैं, बल्कि अधिक जलभराव के कारण आने वाली फसलों के भी प्रभावित होने की संभावना है। राव ने कहा कि आज प्रदेश के आधे से अधिक जिले बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं और आने वाले दिनों में अधिक बारिश की आशंका जताई जा रही है। शहरों के अधिकांश रास्ते जलभराव के चलते प्रभावित हो चुके हैं।

## आरपीएस कॉलेज में फ्रेशर पार्टी आयोजित

**महेंद्रगढ़।** आरपीएस कॉलेज बलाना में रविवार को विभिन्न विभागों द्वारा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के स्वागत हेतु भव्य फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। यह आयोजन कॉलेज परिसर में उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। जिसमें सभी विभागों जैसे वाणिज्य, भौतिक विज्ञान, रसायन शास्त्र, गणितए जैविक विज्ञान व प्रयास के सीनियर छात्रों ने नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, कविता पाठ, फैशन शो एवं मनोरंजक गतिविधियों जैसी विभिन्न प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने आत्मविश्वास और प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव रहे। विशिष्ट अतिथि कॉलेज निदेशक डॉ. महेश यादव, कुलसचिव डॉ. देवेन्द्र यादव, प्राचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह व अधिष्ठाता डॉ. हेमन्त कुमार ने बधाई दी।

महेंद्रगढ़। फ्रेशर पार्टी के विजेता को सम्मानित करते हुए।

महेंद्रगढ़। न्यूट्रीशन वीक मनाते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

## बीजेआरडी स्कूल के विद्यार्थियों ने बनाए लजीज व्यंजन

**महेंद्रगढ़।** शहर के रिवासा फ्लाईओवर के नजदीक स्थित बीजेआरडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में न्यूट्रिशन वीक बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डायरेक्टर राजपाल यादव व चेयरपर्सन शीला यादव के द्वारा रिबन काटकर तथा मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। निदेशक ने कहा कि हमें स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ वातावरण में रहते हुए शुद्ध, शाकाहारी एवं मसाले रहित सात्विक खाना खाना बहुत जरूरी है। पौष्टिक आहार से हमारे शरीर को मजबूती तो मिलती है। साथ ही रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। बच्चों ने फल, सब्जी, सलाद और तेल रहित भोजन बनाकर अपने-अपने हुनर का परिचय देते हुए बहुत ही लजीज व्यंजन बनाकर उनकी प्रदर्शनी लगाई। इस अवसर पर विद्यालय सीईओ रमेश राव, प्राचार्य सुरेश सैनी, पीआरओ बिजेंद्र, पीआरटी हेड सीमा शर्मा, अमिता यादव, मंजीत मलिक, शिवराज यादव, टीना यादव, ज्योति यादव, धर्मेंद्र यादव, मनीष यादव, मनीषा यादव, निशा यादव, शर्मिला यादव, मोनू सरिता, गीता, आशा शर्मा, सुरेखा व पूनम आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। कांग्रेसी नेता सचिन पायलेट के जन्मोत्सव पर नायन गांव में पौधरोपण करता महेश सोडा। फोटो: हरिभूमि

## राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलेट के जन्मदिन पर लगाए पौधे

**नांगल चौधरी।** युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव महेश सोडा ने राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलेट के जन्मदिन पर नायन गांव में 51 पौधे लगाए हैं। इस दौरान हवन में आहुति डालकर दीर्घायु की मन्नतें मांगी तथा कार्यकर्ताओं को सचिन पायलेट की कार्यशैली से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सचिन पायलेट ने 36 बिरादरी के हितों की सुरक्षा वाली राजनीति की है। उन्होंने युवाओं के रोजगार व महिलाओं की सुरक्षा के लिए लंबा संघर्ष किया। जिसके चलते पूरे देश में उनकी सर्वाधिक लोकप्रियता है। पूर्व डिप्टी सीएम के जन्मदिन पर नायन गांव में शहीद की प्रतिमा स्थल पर कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसमें राजस्थान व देश के विकास में दिवंगत राजेश पायलेट के योगदान को याद किया गया। सचिन पायलेट ने केंद्र में मंत्री रहते हुए उद्योगों पर 10 प्रतिशत मुनाफा गांवों के विकास कार्यों पर खर्च करने का प्रावधान किया था। संचार व्यवस्था को उन्होंने गांव व ढाणियों तक पहुंचाया था। कार्यक्रम में हवन करने के बाद अस्पताल में मरीजों को फल व जरूरतमंदों को कपड़े वितरित किए गए। इस मौके पर देशराज सरपंच, जगदीश गिरदावर, लक्ष्मण रावत, मुकेश गुर्जर, महेंद्र पोसवाल मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। निर्माण कार्य का निरीक्षण करते संदीप मालड़ा। फोटो: हरिभूमि

## लावन व बवाना में जोहड़ खोदकर नहरी नेटवर्क से जोड़े जाएंगे, 44 लाख आएगी लागत

**महेंद्रगढ़।** गांव लावन व बवाना में एक-एक जोहड़ खोदकर नहरी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि गांव लावन की पंचायती भूमि में महेन्द्रगढ़-सेहलंग रोड के पास लगभग एक एकड़ में जोहड़ खोदकर इसे बड़ी नहर से जोड़ा जाएगा। इससे यहां आसपास लगभग 100 बोरवेल में लाभ होगा। बड़ी नहर से लगभग 1200 मीटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जिससे पानी इस जोहड़ में पहुंचेगा। इस पूरे कार्य पर लगभग 27 लाख रूपये की लागत आएगी। गांव बवाना की पथरोड़ी बणी में भी लगभग एक एकड़ में जोहड़ खोदकर बवाना माइनर से जोड़ा जाएगा। इस जोहड़ को लगभग 400 मीटर पाइपलाइन बिछाकर बवाना माइनर से जोड़ा जाएगा। इस पूरे कार्य पर लगभग 17 लाख रूपये की लागत आएगी। संदीप मालड़ा ने बताया कि यह कार्य अक्टूबर महीने तक पूरे हो जाएंगे। इन दोनों कार्यों के पूरा होने से गांव लावन, मालड़ा व बवाना के किसानों को लाभ होगा। एक तरफ किसानों की लागत घटेगी, वहीं दूसरी तरफ फसल की पैदावार भी बढ़ेगी। इस कार्य में सहयोग करने पर इन गांवों की पंचायतों ने सांसद धर्मबीर सिंह का आभार व्यक्त किया है। संदीप मालड़ा ने कहा कि वे भी इस कार्य के लिए विधायक के साथ-साथ प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है।

## यादव धर्मशाला में नर नारायण सेवा समिति का वार्षिकोत्सव आयोजित

# प्रेम विवाह के लिए माता-पिता की मान्यता की जाए आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

यादव धर्मशाला में नर नारायण सेवा समिति का वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग थे। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष रामसिंह मधुर ने की। विशिष्ट तिथि पूर्व मंत्री कैलाशचंद्र शर्मा, पूर्व खनन अधिकारी वासुदेव यादव, समाजसेवी पवन कुमार यादव, श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान राकेश मेहता व रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान संजय गर्ग थे।

सर्वप्रथम भारत मां के चित्र समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्र प्रेम का गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद नैतिक एवं चारित्रिक उत्थान से राष्ट्र की प्रगति विषय पर वक्तव्य हुए। मुख्य अतिथि गोपालशरण गर्ग ने कहा कि हमारे क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, विद्यार्थी वर्तमान में नीट, आईआईटी, क्लेट सहित सिविल सेवा परीक्षाओं में अग्रणी है। वक्ताओं ने समाज में समकालीन प्रेम विवाह को संस्कृति को विकृत करने वाला बताया और कहा कि की प्रेम विवाह के लिए माता-पिता की मान्यता कानूनी रूप से आवश्यक की जानी चाहिए। एमएएसडी स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में नाटक व गीत प्रस्तुत किए गए तथा कार्यक्रम में मार्च 2025 में हरियाणा बोर्ड में जिले में प्रथम स्थान पर रहे विद्यार्थियों का सम्मान किया गया, साथ ही 90 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों व प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा व पूर्व प्राचार्य भारत भूषण तायल ने किया।

नारनौल। नर नारायण सेवा समिति के वार्षिक उत्सव में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि व अन्य। फोटो: हरिभूमि

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर समिति के संस्थापक परमानंद दीवान, पूर्व अध्यक्ष बेगराज गोयल, साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव, साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, प्राइवेट स्कूल संघ के प्रधान भीमसेन शर्मा, प्राचार्य नेतराम सैनी, ढुलीचंद शर्मा, रामानंद अग्रवाल, विपिन शर्मा, दलजीत शास्त्री, शिवकुमार मित्तल, श्याम सुंदर शर्मा, सतवीर सिंह, विजेंद्र सैनी, राजेश शास्त्री, धर्मपाल शर्मा, विजयपाल सिंह यादव, आनंद जोशी, सुरेंद्र सैनी, रविंद्र चौधरी, राकेश चौहान, गजेंद्र शर्मा, राजेंद्र वर्मा, जगदेव यादव, केके शर्मा, शिवलाल वर्मा, सतीश सैनी, कृष्ण अवतार जांगिड़, बिजेंद्र सैनी, बलदेव सिंह चहल, गजानंद कौशिक, धर्मचंद छाबड़ा, राकेश यादव, धर्मेंद्र यादव, मलखान सिंह, ओशीन शुक्ला, महेश शर्मा आदि मौजूद थे।

## रक्तदान शिविर में 44 यूनिट एकत्रित

**नारनौल।** शहर की अग्रणी एवं सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप के संस्थापक मनीष गोगिया की पत्नी प्रीति गोगिया के जन्मदिन के अवसर पर नागरिक अस्पताल में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक मनीष गोगिया ने बताया कि शिविर में 44 रक्तवीर योद्धा व वीरांगना ने अपनी इच्छानुसार रक्तदान का सहयोग किया। मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी गजेन्द्र ठेकेदार थे। मुख्य अतिथि ने भी किया और युवा साथियों से अपील करते हुए कहा कि हर स्वस्थ युवाओं को प्रत्येक तीन महीने में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे शरीर में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आती। कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश यादव चेयरमैन यूएसएल एकेडमी ने की।

## खबर संक्षेप

### सरकार का विकास कार्यों को प्राथमिकता: आरती राव

**मंडी अटेली।** स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। वहीं अटेली नई अनाज मंडी में लगभग 347.90 लाख रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कार्य कराए जाएंगे। इन कार्यों के पूरा होने से किसानों, व्यापारियों और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि मंडी में आंतरिक सड़कों एवं सर्विस रोड की विशेष मरम्मत कराई जाएगी, जिससे सफर और यातायात सुगम बनेगा।

### अटेली में रक्तदान शिविर 14 को

**मंडी अटेली।** भगवान परशुराम गौड़ ब्राह्मण सभा की ओर से 14 सितंबर को पुराने बस स्टैंड पर रक्तदान शिविर व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश महासचिव महेश जोशी व स्वामी विट्ठल गिरि महाराज होंगे।

### गैस की अवैध रिफलिंग करने वाला गिरफ्तार

**नारनौल।** खाद्य एवं आपूर्ति विभाग व सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम ने एलपीजी गैस को अवैध तरीके से अवैध सिलेंडरों में भरकर भंडारण करने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित अर्जुन वासी सुभाष कॉलोनी भिवाड़ी अलवर को गिरफ्तार किया है। टीमों ने गुप्त सूचना के आधार पर मौके से गैस टैंकर व सिलेंडर बरामद किए हैं। सीआईए टीम को गुप्त सूचना मिली कि नागंल चौधरी कोटपुतली रोड पर स्थित रिलांयस पैट्रोल पम्प के पीछे स्थित पुराने मुर्गी फार्म पर इण्डेन गैस टैंकर में भरी हुई एलपीजी गैस को अवैध तरीके से अवैध सिलैंडरों में भर रहे हैं और काफी अवैध सिलेंडरों का भण्डारण कर रहे हैं।

### अजय यादव ने उत्तीर्ण की जेआरएफ परीक्षा

**नारनौल।** गांव घाटोशर निवासी अजय यादव पुत्र पृथ्वी सिंह ने जून में आयोजित सीएसआईआर नेट जेआरएफ की परीक्षा में 95वीं रैंक हासिल कर अपने क्षेत्र व परिजनों का नाम रोशन किया है। वर्तमान में अजय यादव गणित विषय से पीएचडी कर रहे है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिजनों व अपने गुरु डॉ. गोपीचंद को दिया है। इस सफलता के पीछे उनका लगातार मार्गदर्शन और विद्यार्थियों का विश्वास रहा है। अजय की इस उपब्लिध पर गांव में खुशी का माहौल है।

*किसान खराब हुई फसल की जानकारी का डाटा पोर्टल पर कर सकते हैं अपलोड*

# किसान 10 सितंबर तक करें मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण, ई क्षतिपूर्ति पोर्टल को15 तक खोला

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

प्रदेश में किसानों को मंडी में समर्थन मूल्य पर फसल बेचने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना जरूरी किया गया है। इसके बाद ही सरकार की ओर से किसानों की फसलों को समर्थन मूल्य पर टोकन प्रक्रिया अपनाकर खरीदा जाता है। खरीफ फसलों के पंजीकरण के लिए 20 जून से पोर्टल को खोल दिया गया था। जिसके बाद से लगातार पंजीकरण प्रकिया शुरू है। निर्धारित पोर्टल के अनुसार किसान 10 सितम्बर तक अपनी फसल का पंजीकरण करवा सकता है। वहीं दूसरी ओर लगातार भरी बारिश की वजह से जिले में फसल खराब होना शुरू हो गई है। इसके लिए सरकार ने किसानों को खराब फसल की जानकारी देने के लिए ई क्षतिपूर्ति पंजीकरण पोर्टल खोल रखा है। जिसके माध्यम से किसान अपनी खराब हुई फसल की जानकारी का डाटा पोर्टल पर 15 सितंबर तक अपलोड कर सकते है। ई क्षतिपूर्ति पंजीकरण पोर्टल पर जानकारी देने के पहले किसान को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य किया गया है। इसके बाद में जिला प्रशासन की ओर से विशेष गिरदावरी की जा सकती है। ई क्षतिपूर्ति पंजीकरण पोर्टल पर बैंक विवरण देना अनिवार्य ई क्षतिपूर्ति पंजीकरण पोर्टल पर डाटा अपलोड करने से पहले पोर्टल पर बैंक विवरण देना अनिवार्य किया गया है। इसके बाद ही पोर्टल पर मेरी फसल मेरा ब्यौरा की डिटेल्स ई क्षतिपूर्ति पोर्टल दिखाई देती है इसके बाद किसान को भरी बारिश या जल भराव की जानकारी तिथि के साथ देनी होता है। पोर्टल पर यह भी पूछा जाता है आपने दोबारा फसल की बिजाई की है या नहीं। यदि आपकी फसल का बीमा है, तो किसान को बीमा की जानकारी भी पोर्टल पर उपलब्ध करवानी होती है। इसके बाद ही विवरण को सेव किया जाता है।

**नारनौल।** मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल। फोटो : हरिभूमि

**पोर्टल पर किसानों की स्थिति**

| ब्लॉक | पंजीकृत क्षेत्र | पंजीकृत किसान |
|---|---|---|
| अटेली | 25150 | 6300 |
| कनीना | 44354 | 10512 |
| महेंद्रगढ़ | 52496 | 12314 |
| नांगल चौधरी | 17745 | 4420 |
| नारनौल | 34140 | 9176 |
| सतनाली | 19030 | 2948 |

**मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की स्थिति**

| ब्लॉक | पंजीकृत क्षेत्र | पंजीकृत किसान |
|---|---|---|
| अटेली | 39637 | 11927 |
| कनीना | 62551 | 16781 |
| महेंद्रगढ़ | 77096 | 20953 |
| नांगल चौधरी | 45618 | 12862 |
| नारनौल | 61241 | 19055 |
| सतनाली | 32252 | 5749 |

*सुरेश कुमार को 421 व पवन सैनी को मिले 23 वोटमिले*

# सुरेश कुमार ने एकतरफा जीत दर्ज की, 398 वोटों से हराया

- पांच पदों के लिए मतदान सुबह नौ से 4 बजे तक चला

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

सैनी क्षत्रिय सभा के चुनाव रविवार को प्रशासक एवं सह चुनाव अधिकारी की ओर से करवाए गए। जिसमें सभा के पांच पदों के लिए मतदान सुबह नौ से चार बजे तक चला। चुनाव उपरांत करीब दो घंटे की मतगणना के बाद परिणाम जारी किए गए। चुनाव शांतिपूर्व सपन्न करवाने को लेकर प्रशासन की ओर से सिंचाई विभाग के एसडीओ अरुण कुमार ड्यूटी मैजिस्ट्रेट व भारी पुलिस बल भी उपस्थित रहा। चुनाव में एक तरफा जीत हासिल करते हुए सुरेश कुमार प्रधान, महादेव प्रसाद लोडिया उपप्रधान, होशियार सैनी सचिव, दुष्यंत कुमार कोषाध्यक्ष व रामनिवास सैनी सहसचिव चुने गए। कार्यकारिणी के छह सदस्य पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। प्रधान पद पर शुरू में तीन दावेदार मैदान में थे, लेकिन नामांकन वापसी के बाद अब दो उम्मीदवार सुरेश कुमार पुत्र वसंतराम व पवन सैनी पुत्र कैलाश सैनी के बीच सीधा मुकाबला था। जिसमें सुरेश कुमार को 421 मत व पवन कुमार को 23 वोट मिले, जबकि 26 वोट रद्द हुए। इस प्रकार सुरेश कुमार 398 वोटों से विजयी रहा। वहीं उपप्रधान पद के लिए भी सीधा मुकाबला विजय कुमार पुत्र श्रीराम व महादेव प्रसाद पुत्र लोडियाराम के बीच रहा। जिसमें विजय कुमार को 20 वोट व महादेव प्रसाद को 426 वोट मिले, जबकि 24 वोट रद्द हुए।

इस प्रकार महादेव प्रसाद 406 वोटों से विजयी रहे। सचिव पद के लिए शुरूआती दौर में चार उम्मीदवारों ने नामांकन भरा था, लेकिन अंतिम सूची में केवल दो नाम होशियार सिंह पुत्र बनवारी लाल व मनीष पुत्र ओमप्रकाश के बीच मुकाबला रहा। जिसमें होशियार सिंह सैनी को 428 वोट मिले तथा मनीष कुमार को 20 वोट मिले, जबकि 22 वोट रद्द हुए। होशियार सिंह 408 वोटों से विजयी रहे। कोषाध्यक्ष पद पर भी शुरू में त्रिकोणीय मुकाबला बनता दिख रहा था, लेकिन बाद में एक नाम वापस लिए जाने के बाद दो उम्मीदवार बचे थे। जिसमें सुनील कुमार पुत्र हरिराम को चुनाव में 27 वोट मिले व दुष्यंत सैनी पुत्र बलकिरत सैनी को 415 वोट मिले तथा 27 वोट रद्द हुए। जिसमें दुष्यंत सैनी 388 वोटों से विजयी रहे। सह सचिव पद पर राहुल सैनी पुत्र रोहताश सैनी व रामनिवास सैनी पुत्र हजारीलाल सैनी के बीच आमने सामने का मुकाबला था। जिसमें राहुल को 21 वोटे मिले व रामनिवास को 412 वोट मिले, जबकि 28 वोट रद्द हुए। राजनिवास सैनी 400 वोटों से विजयी रहे। सभा के छह कार्यकारिणी सदस्य मास्टर दिनेश कुमार, राधेश्याम सैनी, लक्ष्मीनारायण सैनी, संजय सैनी, विनोद कुमार, कृष्ण कुमार पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए थे।

**महेंद्रगढ़।** विजय हासिल करने के बाद जुलूस निकालते प्रधान सुरेश सैनी।

# बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रक रवाना

- दो ट्रकों को विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

पंजाब में लगातार हो रही भारी बारिश व बाढ़ के हालात को देखते हुए हरियाणा सरकार ने पड़ोसी राज्य की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से भरे दो ट्रकों को विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने शनिवार को लघु सचिवालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस कठिन समय में पंजाब के साथ खड़े होने का जो फैसला लिया है, वो सराहनीय है।

यादव ने कहा कि यह कदम दर्शाता है कि हरियाणा सरकार केवल अपने प्रदेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि संकट के समय में अपने पड़ोसियों की मदद के लिए भी हमेशा तैयार रहती है। संकट की घड़ी में पड़ोसी के साथ खड़े रहना हमारा फर्ज है।

**नारनौल।** राहत सामग्री से भरे ट्रकों को रवाना करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

# गुलाब सैदपुर वाले बने प्रधान

**नारनौल।** स्वामी वैष्णव उत्थान संस्थान के जिला प्रधान कैप्टन सुरेश चंद व उनकी जिला कार्यकारिणी ने खंड अटेली की स्वामी वैष्णव उत्थान संस्थान की कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से करवाया। जिसमें जितेंद्र गुर्जरवास को संरक्षक, गुलाब सैदपुर वाले को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया। इसके अलावा दिनेश व वेदप्रकाश को वरिष्ठ उपप्रधान, प्रमोद व लालचंद नीरपुर वाले को उप प्रधान, करण सिंह व सुरेश कुमार तिगरा को महासचिव, अनिल व भोतराम को सचिव, राकेश कुमार व नरेश कुमार गुर्जरवास को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। इनके अलावा नरेंद्र, बाबूलाल, रविंद्र व सुरेश को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। इस मौके पर जिला उप प्रधान रमेश स्वामी सरपंच निवाजनगर, जिला महासचिव प्रदीप कुमार हसनपुर, नांगल चौधरी प्रधान बुधराम पवेरा, महेंद्रगढ़ ब्लॉक प्रधान कुलदीप, नारनौल ब्लॉक सचिव सुनील मास्टर व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। नवनियुक्त संस्थान के पदाधिकारी।

# शिविर में 120 ने करवाई नेत्र जांच 19 ऑपरेशन के लिए चयनित

- यादव सभा एवं राहत ग्रुप के तत्वावधान में यादव धर्मशाला प्रांगण में शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

यादव सभा एवं राहत ग्रुप के तत्वाधान में यादव धर्मशाला प्रांगण में 183वें नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा ने बताया कि निःशुल्क नेत्र जांच शिविर राहत ग्रुप के प्रधान एवं यादव सभा महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान डॉ. प्रेमराज यादव की अध्यक्षता में लगाया गया। हमेशा की तरह नेत्र जांच शिविर का प्रारंभ हवन के साथ शुरू किया गया। यज्ञ पुरोहित यादव सभा के उप प्रधान एवं आर्य समाज महेंद्रगढ़ के प्रधान पंडित भूपेंद्र आर्य ने हवन संपन्न कराया। तत्पश्चात डॉ. जितेंद्र यादव व उनकी टीम के डॉ. रामपाल यादव एवं डॉ. आरपी गिरी ने रोगियों की नेत्र जांच की तथा डॉ. प्रकाशवीर आर्य एवं आनन्द यादव ने बीपी व शुगर की जांच की। आज के शिविर में 120 रोगियों के नेत्र जांच की और 19 रोगियों को ऑपरेशन के लिए सुमेर सिंह मेघनवास की देखरेख में राजकीय जालान नेत्र चिकित्सालय भिवानी भेजा गया। यादव सभा के प्रधान एडवोकेट अभय राम यादव, प्रोफेसर बस्तीराम खैरवाल, बाबू जगदीश प्रसाद, हैडमास्टर शिव लाल, बलवंत सिंह बोहरा, राहत ग्रुप के उपाध्यक्ष प्रवक्ता श्रीचन्द, सचिव कप्तान लाल चन्द आदि मौजूद रहे।

**महेंद्रगढ़।** नेत्र उपचार शिविर में भाग लेते नेत्र रोगी। फोटो : हरिभूमि

# सीबीएसई क्लस्टर में आपीएस ने अंडर 14 और 19 में वालीबॉल में जीते सिल्वर मेडल

- सीबीएसई के ज्वाइंट सेक्रेटरी विजय सिंह यादव ने आरपीएस की दोनों वालीबॉल टीमों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय ने एकबार फिर अपनी खेल प्रतिभा से जिले का मान बढ़ाया है। हाल ही में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की अंडर-14 और अंडर-19 (आयु वर्ग) की टीमों ने सोनीपत में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त किया। दोनों ही वर्गों की टीमों ने प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट तालमेल, संघर्षशीलता और खेल भावना का परिचय दिया। इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव और प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, जबकि सीबीएसई के ज्वाइंट सेक्रेट्री विजय सिंह यादव ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि इस उपलब्धि से विद्यालय के अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी और आने वाले समय में आरपीएस विद्यालय खेलों के क्षेत्र में और भी ऊंचाइयां हासिल करेगा। ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आज विद्यालय के बच्चे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की लगन और कोचों के मार्गदर्शन का परिणाम रहा कि दोनों ही वर्गों की टीमें अंतिम दौर तक पहुंचीं और उपविजेता बनने में सफल रही। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि आरपीएस विद्यालय के बच्चे आज हर क्षेत्र में अव्वल है। यह सब विद्यालय प्रबंधन की दूरगामी सोच, मेहनत स्टाफ व विद्यार्थियों की लगन का परिणाम है। दोनों टीमों व कोच जितेंद्र फौगाट, विशाल व जगदीश को सीबीएसई के ज्वाइंट सेक्रेट्री विजय सिंह यादव ने सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

**महेंद्रगढ़।** विजेता आरपीएस की वालीबॉल टीम। फोटो : हरिभूमि

**कार्यक्रम** महासर माता की शक्ति, बड़े पर्दे पर फिल्म माता के भक्तों के लिए वरदान

# जय महासर धाम की अटेली क्षेत्र में चल रही है शूटिंग कलाकारों को भी मूवी में रोल करने का मिल रहा है मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

श्री महासर माता प्रोडक्शन के सानिध्य में बन रही फिल्म श्री महासर माता की महिमा पर बनने वाली मूवी की शूटिंग महासर माता मंदिर व आस-पास के गांवों में हो रही है। अटेली क्षेत्र के गांव में स्थित महासर माता मंदिर पर नवरात्रों पर साल में दो बार बड़े मे लगता है। इसके अलावा माता के स्थान पर बड़ी संख्या में प्रतिदिन प्रदेश व देश के विभिन्न हिस्सों से माता के स्थान पर पूजा अर्चना करते है। फिल्म पटकथा, इसके निर्माण का उद्देश्य आदि सवालों के जवाब को लेकर महासर माता मंदिर में बने भगवती भवन में फिल्म के बारे में निर्माता भामाशाह श्रीधर गुप्ता, निर्देशक सन्नी अग्रवाल, एक्जीक्यूटिव प्रोडयूसर संतोष पंसारी व कलाकार पत्रकारों मुखातिब हुए। फिल्म में लोकल कलाकारों को भी मौका दिया जा रहा है। फिल्म के डायरेक्टर सन्नी अग्रवाल ने बताया कि महासर माता की महिमा, शक्ति व लोगों की आस्था को बड़े पर्दे पर जय महासर धाम फिल्म के माध्यम से दिखाई जा रही है।

इस फिल्म के निर्माता भामाशाह श्रीधर गुप्ता है, जो माता के भक्त है, उन्हीं के प्रयासों से इस मूवी में उन्हें कलाकारों को बनाने का मौका मिल रहा है। फिल्म की शूटिंग अटेली क्षेत्र शूटिंग गांव फतेहपुर गांव की एक प्राचीन हवेली से शुरू हुई है। श्रीधर गुप्ता ने बताया कि फिल्म में बालीवुड के कई प्रसिद्ध कलाकारों में दीपिका चिकलिया (रामायण की सीता के रूप में प्रसिद्ध है), अखलेंदेर मिश्रा, रेखा वशिष्ठ (तारक मेहता उल्टा चश्मा) सन्नी अग्रवाल प्रमुख है। मूवी के एक्जीक्यूटिव प्रोडयूसर संतोष पंसारी ने बताया कि हरियाणा से भी कई कलाकार इस फिल्म का हिस्सा है। जिनमें एमडी रॉकस्टार, अशोक वर्मा, पुष्कर सैनी, सपना लेथर, सुमन सेन है। निर्देशक ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात में फिल्म के लिए हर प्रकार सहयोग के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा खेल और कृषि के अलावा कला व फिल्म निर्माण में भी नई ऊंचाइयों छुएगा।

श्रीधर गुप्ता ने बताया कि उनका फिल्म बनाने का मकसद माता रानी का प्रचार प्रसार भारत व दुनिया में करने का है। भगवती भवन के मैनेजर रूपेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से फिल्म की शूटिंग चल रही है। यह फिल्म जनवरी माह में नारनौल से शुरूआत कर पूरे भारत वर्ष में रिलीज की जाएगी।

**मंडी अटेली।** पत्रकार वार्ता को संबोधित करते फिल्म के निर्माता श्रीधर गुप्ता व डायरेक्टर सन्नी अग्रवाल। फोटो : हरिभूमि

# उप जिला शिक्षा अधिकारी कौशिक ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने उप जिला शिक्षा अधिकारी पद पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने डॉ. विश्वेश्वर कौशिक को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। अब उप जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में भी पद ग्रहण करने से विभाग की विभिन्न योजनाओं को गति मिलेगी। सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने कहा कि डॉ. विश्वेश्वर कौशिक के व्यवहार, कार्यक्षमता, स्वभाव के सभी कायल है। जिला समंवयक एफएलएन डॉ. विक्रम सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि उप जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में वे नई पारी की शुरूआत कर रहे है। उनका यह कार्यकाल नई उपलब्धियों से भरा होगा। इसमें वे नए आयाम स्थापित करेंगे। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी नारनौल पवन भारद्वाज, खंड शिक्षा अधिकारी कनीना दिलबाग सिंह, जिला समंवयक उल्लास करण सिंह, प्राचार्य डॉ. दीपेंद्र चौहान, डॉ. पंकज गौड़ व रमन शास्त्री आदि मौजूद रहे।

**नारनौल।** उप जिला शिक्षा अधिकारी का स्वागत करते स्टॉफ सदस्य।